ब्लड बैंक के रक्ताधान एवं परिक्षेत्रीय समिति की नियमित बैठक आज दिनांक 25/7/12 मंगलवार को ब्लड बैंक परिसर मे आयोजित की गयी है।

विषय:- रक्ताधान एवं ब्लड बैंक के संबंध मे सुझाव
एवं आपसी तालमेल पर परिचर्चा।

1. प्रि. डां. के. पी. बी. सिंह
2. डा. कामेश्वर सिंह
3. डा. घनश्याम सिंह
4. डा. सी. एम. सिन्हा
5. डा. अवधेश अग्रवाल
6. डा. ओ. पी. राय
7. डा. दीपक खेतान
8. डा. राजीव श्रीवास्तव
9. डा. रश्मि सिंह
10. डा. ममता जायसवाल
11. श्रीमती कुमकुम अग्रवाल
12. डा. मधुसुदन सिंह

प्रभारी डा. अवधेश अ. ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कुछ बातें बतायी

① पूर्व मे दि हुयी जानकारी को पुनः बल देते हुए यह अवगत कराया गया कि रक्ताधान (Blood Transfu) के पहले रोगी का स्वीकृत पत्र, अथवा रोगी के परिजन के द्वारा प्राप्त करने के बाद ही यह प्रक्रिया कि जानी चाहिए। यह स्वीकृत पत्र का प्रारूप पूर्व मे ही विभाग को उपलब्ध कराया जा चुका है, इस बैठक मे भी पुनः इस स्वीकृत पत्र का प्रारूप उपस्थित सदस्यों को पुनः उपलब्ध कराया गया तथा निरीक्षण के माध्यम से बात पर बल दिया गया कि सभी

संगोष्ठि के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सचिव तथा आदरणीय महंत जी योगी आदित्यनाथ जी महाराज के मुख्य मंत्री पद ग्रहण के पश्चात् शिक्षा परिषद एवं गोरक्षपीठ का सारा कार्य भार सफलता पूर्वक संचालित करने वाले प्रो0 यू 0 पी0 सिहं ने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय नही अपितु एक सेवा है, चिकित्सा का व्यवसायीकरण एक चिन्ता का विषय है, यद्यपि इस क्षेत्र से जुडे हुए बडी संख्या मे आज भी चिकित्सक समाज सेवा के भाव से रोगीयों की सेवा कर रहे हैं। गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं ब्लड बैंक इसका उदाहरण हैं। प्रो0 सिहं ने आगे कहा की गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक एक धार्मिक एवं सामाजिक ट्रस्ट द्वारा एक सेवा के भाव से चलाए जाने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश के तीन सर्वश्रेष्ठ ब्लड बैंकों मे से एक प्रमुख ब्लड बैंक है, प्रो0 सिहं ने महानगर के चिकित्सकों का आवाह्न किया कि वे गोरखपुर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में अपनी पूरी प्रतिभा का उपयोग करें।